कक्षा- छठी हिंदी (पहली भाषा)

डॉ.सुनील बहल

पाठ-3 संगीत का जादू

अभ्यास

1. भाषा-बोध : नीचे लिखे शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए-

शब्द	वाक्य
संगीतज्ञ	तानसेन एक महान संगीतज्ञ थे।
सौभाग्य	यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे आप जैसा साथी मिला ।
अनुचर	राजा अकबर के दरबार में अनेक अनुचर थे।
बुद्धिमान	राजा के पास चतुर व बुद्धिमान मंत्री होने चाहिए।
याचक	राजा ने याचक को धन देकर विदा किया।

2. नीचे लिखे मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो-

मुहावरा	वाक्य
निहाल कर देना	गुरु जी ने सत्संग में अपने वचनों से भक्तों को निहाल कर दिया।
हाथ से गँवा देना	हमें अच्छे अवसर को कभी भी हाथ से गँवा नहीं देना चाहिए।
क्रोध से लाल होना	परशुराम ने जब शिव धनुष को टूटा हुआ देखा तो वे क्रोध से लाल हो उठे ।
थकान हरना	मैं जब थका हारा घर लौटता हूँ तो बच्चे मेरी सारी थकान हर लेते हैं।
आँखें भर जाना	अपने मित्र की दुःख भरी कहानी सुनकर मेरी आँखें भर आयीं ।

नीचे लिखे अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखो-

क्रमांक	अनेक शब्द	एक शब्द
1.	धर्म को जानने वाला	धर्मज्ञ
2.	नीति को जानने वाला	नीतिज्ञ

3.	सब कुछ जानने वाला	सर्वज्ञ
4.	कुछ भी न जानने वाला	अज्ञ (ज्ञानशून्य)
5.	साहित्य की रचना करने वाला	साहित्यकार
6.	गीत लिखने वाला	गीतकार
7.	चित्र बनाने वाला	चित्रकार
8.	मूर्तियाँ गढ़ने वाला	मूर्तिकार

(iv) वर्ण को समझते हुए शब्द बनाओ-

1	अ + क् + अ + ब् + अ + र् + अ	अकबर
2	स् + आ + ध् + उ	साधु
3	त् + आ + न् + अ + स् + ए + न् + अ	तानसेन
4	स् + अ + म् + प् + अ + त् + त + इ	सम्पत्ति
5	म् + अ + न् + त् + र् + ई	मन्त्री

(क) आप अपनी कॉपी पर तीनों प्रकार की संज्ञाओं के पाँच-पाँच उदाहरण लिखो-

क्रमांक	**संज्ञा**	**उदाहरण**				
1.	व्यक्तिवाचक संज्ञा	अमिताभ	ताजमहल	पंजाब	नई दिल्ली	चार्वी
2.	जातिवाचक संज्ञा	गाय	कौआ	पुस्तक	कलम	बादाम
3.	भाववाचक संज्ञा	प्रेम	वीरता	धैर्य	मिठास	बचपन

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(क) साधु बहुत---**संगीतज्ञ**----था।(संगीतज्ञ/विद्वान्)

(ख) मन्त्री विद्वान् और--- **बुद्धिमान** ---- (धनवान्/बुद्धिमान्)था।

(ग) वह साधु तो सचमुच--- **स्वर्ग** ----का गन्धर्व है। (भूलोक/स्वर्ग)

(घ) कलाकार की शर्त बड़ी--- **अजीब** ----(अजीब/नवीन) थी।

(ङ) साधु ने--- **सहर्ष**----गाना शुरू कर दिया। (सखेद/सहर्ष)

डॉ.सुनील बहल

(च) महाराज ! सचमुच---**आनन्द**---आ गया।(आनन्द/पसीना)

(vii) किसने कहा, किससे कहा और कब कहा ?

वाक्य	**किसने कहा ?**	**किससे कहा ?**	**कब कहा ?**
महाराज, आप क्रोध न करें।	मन्त्री ने	राजा अकबर से	जब साधु के न आने पर राजा उसे बुरा-भला कहने लगा।
आप उसके संगीत के याचक हैं।	मन्त्री ने	राजा से	जब राजा साधु को बुरा-भला कहने लगा।
3. कोई ऐसी युक्ति सोचें, जिससे साधु का संगीत सुन सकें।	राजा अकबर ने	तानसेन से	जब दोनों वेश बदलकर साधु की कुटिया पहुँचते हैं।
4. एक घंटे तक भी मुझे ऐसा आनन्द नहीं मिला, जो आज लगातार आठ तक मिला है।	राजा (अकबर) का	संगीतज्ञ साधु से	जब साधु ने वीणा पर लगातार आठ घंटे तक संगीत से राजा को आनन्द प्रदान किया ।
5. कहिए, अब आप मुझे क्या दे रहे हैं ?	संगीतज्ञ साधु ने	राजा से	जब राजा साधु का संगीत सुनकर प्रसन्न हो उठा और राजा के साथी संगीतज्ञ ने साधु को सारी कहानी सुना दी।

II. विचार- बोध

(क) 1. राजा के अनुचरों की दृष्टि में साधु कैसा था ?

उत्तर-राजा के अनुचरों की दृष्टि में साधु मूर्ख था।

डॉ.सुनील बहल

2. साधु ने अनुचरों को क्या उत्तर दिया ? डॉ.सुनील बहल

उत्तर– साधु ने अनुचरों को उत्तर दिया ." जिस संगीत को राजा सुनना चाहता है, वह संगीत तो कभी-कभी संयोग से बन पड़ता है। प्रयत्न से पैदा किया संगीत राजा को प्रसन्न नहीं कर सकेगा। मैं राजा को संगीत सुनाने नहीं जा सकता, आप लौट जायें ।

3. मन्त्री की दृष्टि में याचक कौन था और दाता कौन था ?

उत्तर-मन्त्री की दृष्टि में याचक राजा था और दाता साधु था।

4. राजा साधु का संगीत सुनने के लिए किस वेश में दरबारी संगीतज्ञ के साथ चला ?

उत्तर-राजा अकबर राजसी पोशाक उतारकर मामूली कपड़े पहनकर ओंर नंगे पैर दरबारी संगीतज्ञ के साथ चला।

5. वीणा की झंकार और राग का गलत अलाप सुनकर साधु ने क्या किया ?

उत्तर-वीणा की झंकार और राग का गलत अलाप सुनकर साधु झोंपड़ी से बाहर निकल आया। उसने वीणा को अपने हाथ में ले लिया और संगीतकार को राग अलापने की सही तरकीब बताई।

6. साधु का संगीत सुनकर राजा ने क्या कहा ?

उत्तर- राजा ने कहा कि आपका संगीत सुनकर सचमुच आनन्द आ गया । मैं आठ वर्ष से राजा हूँ किंतु आठ वर्ष की लम्बी अवधि में कभी भी एक घंटे को भी मुझे ऐसा आनन्द नहीं मिला , जो आज लगातार आठ घंटे तक मिला । उन्होंने यह भी कहा कि इन आनन्द के क्षणों की तुलना में मेरा सारा राज्य भी तुच्छ है। मेरा अहंकार भी गल गया है।

(ख) इस कहानी का क्या संदेश है ? अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर- इस कहानी का संदेश है कि संगीत का जीवन में बहुत महत्व है। संगीत एक जादू की तरह असर करता है । यद्यपि वह सुख के क्षणों में अभूतपूर्व आनन्द प्रदान है किंतु दुःख के क्षणों में मन को भीतर तक राहत पहुँचाने का

काम भी करता है। जिसे संगीत का सच्चा ज्ञान है, उसके सामने बड़े से बड़ा राज्य भी तुच्छ है।संगीत अतुलनीय है। संगीत को धन से खरीदा नहीं जा सकता।

==========

तैयारकर्ता व प्रस्तुतकर्ता
डॉ.सुनील बहल
एम.ए.(संस्कृत, हिंदी), एम.एड.,पीएच.डी (हिंदी)
असिस्टेंट डायरेक्टर, एस.सी.ई.आर टी
व स्टेट रिसोर्स पर्सन
(हिंदी और पंजाबी)

==========